RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 22 MARCH TO 28 MARCH 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 27 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

कभी आता था महज 1 प्रतिशत तेल, अब भारत का सबसे बड़ा सप्लायर है रूस Page 2

अंतरिक्ष की सैर, इसरो ने शुरू कर दी स्पेस टूर की तैयारी Page 3

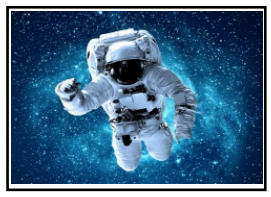

दुनिया के लिए जरूरी हैं ये 30 बैंक एक भी डूबा तो आ जाएगी आर्थिक तबाही Page 4

editoria!

आइटी क्षेत्र पर दबाव

संकटों का सामना कर रही वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने कुछ अमेरिकी और यूरोपीय बैंकों के डूबने या मुश्किल में आने के रूप में नयी चिंता पैदा हो गयी है. सिलिकन वैली बैंक, क्रेडिट सुइस, सिलवरगेट और फर्स्ट रिपब्लिकन बैंक डूब चुके हैं तथा यूरोपीय स्टॉक बाजार में बैंकों के शेयरों के दाम में गिरावट जारी है. एक ओर जहां अंतरराष्ट्रीय वित्त बाजार में अनिश्चितता है, वहीं हमारे देश में आइटी क्षेत्र के प्रभावित होने की आशंकाएं बढ़ गयी हैं. भारत की शीर्ष आइटी कंपनियों का 40 प्रतिशत तक राजस्व बैंकिंग वित्त सेवाओं और बीमा क्षेत्र से आता है. भारतीय आइटी कंपनियों का अमेरिका की तकनीकी कंपनियों से भी जुड़ाव है. उल्लेखनीय है कि तबाह हुए अमेरिकी बैंकों का सबसे अधिक लेन-देन तकनीकी कंपनियों और स्टार्टअप उद्यमों के साथ रहा था. दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियों में छंटनी का दौर भी लंबे समय से चल रहा है. संतोषजनक है कि भारत में बड़े पैमाने पर लोगों को काम से नहीं हटाया गया है, लेकिन अगर बाहर से होने वाली कमाई घटती है, तो वह स्थिति भी आ सकती है. निवेश में कमी आने के बावजूद कोरोना काल से लेकर अब तक हमारी तकनीकी कंपनियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है. इसी आधार पर केंद्रीय आइटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने उम्मीद जतायी है कि हमारी कंपनियां मौजूदा बैंकिंग संकट के असर का भी सामना कर लेंगी. यदि एक क्षेत्र में नुकसान भी होता है, तो दूसरे क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन से उसकी भरपाई भी की जा सकती है. यह भी संतोष की बात है कि विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि भारतीय पूंजी बाजार और बैंकों पर अमेरिकी और यूरोपीय स्थिति का प्रभाव न के बराबर पड़ेगा. यदि यह स्थिति बरकरार रहती है, तो आइटी सेक्टर में नये सौदों पर असर पड़ेगा तथा मौजूदा ठेकों की अवधि नहीं बढ़ेगी. हालांकि इन बैंकों के डूबने का मुख्य कारण उनके प्रबंधन की खामियां हैं, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध तथा भू- राजनीतिक तनावों ने भी अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ बैंकों और आइटी सेक्टर पर दबाव बढ़ा दिया है. जानकारों का मानना है कि अर्थव्यवस्थाओं को संभालने की जी कोशिशें विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक कर रहे हैं, उससे स्थिति के जल्दी ही नियंत्रण में आने की आशा है. मौजूदा संकट 2008 के वित्तीय संकट जितना गंभीर भी नहीं है. भारतीय आइटी कंपनियों ने हाल के वर्षों में अफ्रीका, एशिया और लातिनी अमेरिका में नये बाजार भी खोजे हैं. आने वाले समय में इन क्षेत्रों के साथ कारोबार बढ़ने की संभावना है. घरेलू मांग में भी सुधार की उम्मीद है. ऐसे में आशा है कि वर्तमान झटके से अल्पकालिक प्रभाव ही पड़ेगा.

ऑयल बुल्स को उम्मीद, ओपेक+ 3 अप्रैल की बैठक से पहले बाजार को ठीक कर देंगे

पिछले सप्ताह 10% की गिरावट के बाद दो दिनों में कच्चे तेल की कीमतें 4% बढ़ीं

नई दिल्ली। एजेंसी

संभावित रूप से तेजतर्रार फेड तेल के निरंतर पलटाव को बाधित कर सकता है इस प्रकार कच्चे बैल उम्मीद कर रहे हैं कि ओपेक + 3 अप्रैल की बैठक में बाजार को 'ठीक' कर देगा। कैलिफोर्निया से ज्यूरिख से वाशिंगटन तकः तेल व्यापार का ध्यान पिछले दस दिनों में तीन तारीखों पर केंद्रित रहा है, क्योंकि बैंकिंग संकट से आज दरों पर फेडरल रिजर्व के फैसले पर ध्यान जाता है। संभवतः इसमें और दस दिन लगेंगे, और इससे पहले कि क्रूड में लंबे समय तक एक वर्चुअल डेटलाइन तय हो जाए और फिर से बाजार पर नियंत्रण हो जाए। यह 3 अप्रैल को ओपेकह्र की आभासी बैठक के बाद या उसके बाद होगा, जो दुनिया के तेल उत्पादकों को बाजार की कहानी में तंग आपूर्ति के डर को फिर से पेश करने की अनुमति देता है - बैंकिंग संकट और फेड चेयर जेरोम द्वारा बढ़ाए गए किसी भी मंदी के डर से उत्पन्न तरलता के डर का मुकाबला करने के लिए मुद्रास्फीति और भविष्य की दरों पर पॉवेल का दृष्टिकोण।

ब्लूमबर्ग ऑयल एनालिस्ट ग्रांट स्मिथ - जिनेवा झील से सोमवार को ब्लॉगिंग करते हुए जहां फाइनेंशियल टाइम्स के रिट्रीट में कमोडिटी व्यापारी क्रेडिट सुइस (SIX:CSGN) के अंत का आकलन कर रहे थे - कैलिफोर्निया-टू-ज्यूरिख बैंकिंग संकट से हुई नीलामी ने कहा फेड निर्णय और दरों पर दृष्टिकोण के लिए संक्रमण होगा। उन्होंने लिखा हैः

'ट्रेडिंग एक्जीक्यूटिव स्वीकार करते हैं कि बैंकिंग संसर्ग किसी भी कमोडिटी बुल रन के लिए जोखिम पैदा करता है। और उसके लिए अगली महत्वपूर्ण परीक्षा, वे मानते हैं, एक स्विस झील के तट पर नहीं, बल्कि हजारों मील दूर, फेडरल रिजर्व के बुधवार के फैसले के साथ। यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट ने पिछले दो सत्रों में पिछले सप्ताह के 13% में से 4% की वसूली की थी, जो कि तीन साल पहले कोरोनोवायरस महामारी के टूटने के बाद से तेल का सबसे खराब सप्ताह था। यूके ब्रेंट ने सोमवार और मंगलवार के बीच 3% की वापसी की, वह भी पिछले सप्ताह 13% की गिरावट से।

बुधवार के न्यूयॉर्क ट्रेडिंग सत्र की शुरुआत से कुछ छह घंटे पहले, डब्ल्यूटीआई सोमवार को गिरकर $64.12 पर गिरने के बाद प्रमुख $70-प्रति-बैरल स्तर पर वापसी करने की हड़ताली दूरी के भीतर था, जो दिसंबर 2021 के बाद से सबसे कम है। ब्रेंट $75 के नीचे मँडरा गया। दो दिन पहले 70.12 डॉलर के 15 महीने के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 560 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी

10 मार्च, 2023 को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.4 बिलियन डॉलर की गिरावट के साथ 560.003 अरब डॉलर पर पहुँच गया है। विश्व में सर्वाधिक विदेशी मुद्रा भंडार वाले देशों की सूची में भारत चौथे स्थान पर है, इस सूची में चीन पहले स्थान पर है।

विदेशी मुद्रा भंडार

इसे फोरेक्स रिज़र्व या आरक्षित निधियों का भंडार भी कहा जाता है भुगतान संतुलन में विदेशी मुद्रा भंडारों को आरक्षित परिसंपत्तियाँ' कहा जाता है तथा ये पूंजी खाते में होते हैं। ये किसी देश की अंतर्राष्ट्रीय निवेश स्थिति का एक महत्त्वपूर्ण भाग हैं। इसमें केवल विदेशी रुपये, विदेशी बैंकों की

जमाओं, विदेशी ट्रेज़री बिल और अल्पकालिक अथवा दीर्घकालिक सरकारी परिसंपत्तियों को शामिल किया जाना चाहिये परन्तु इसमें विशेष आहरण अधिकारों, सोने के भंडारों और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की भंडार अवस्थितियों को शामिल किया जाता है। इसे आधिकारिक अंतर्राष्ट्रीय भंडार अथवा अंतर्राष्ट्रीय भंडार की संज्ञा देना अधिक उचित है।

10 मार्च, 2023 को विदेशी मुद्रा भंडार

विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए): $494.863 बिलियन

गोल्ड रिजर्वः $41.923 बिलियन

IMF के साथ एसडीआरः $18.12 बिलियन

IMF के साथ रिजर्व की स्थितिः $5.1 बिलियन

कभी आता था महज 1% तेल, अब भारत का सबसे बड़ा सप्लायर है रूस

नई दिल्ली। एजेंसी

पिछले साल फरवरी में शुरू हुए रूस और यूक्रेन के युद्ध ने वैश्विक व्यापार पर व्यापक असर डाला है। इस युद्ध के कारण गेहूं से लेकर कच्चे तेल तक के आयात और निर्यात के आंकड़े बदल गए हैं। भारत और रूस के व्यापारिक संबंधों पर भी इसने गहरा असर डाला है। युद्ध की शुरुआत से पहले भारत के कच्चा तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी मामूली थी, जो पिछले एक साल के दौरान कई गुणा बढ़ चुकी है।

हर रोज आ रहा इतना तेल

आंकड़ों के अनुसार, भारत ने रूस से फरवरी 2023 महीने के दौरान हर रोज औसतन 16 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा। इस तरह रूस पिछले महीने भी भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना रहा। भारत के क्रूड ऑयल बास्केट में रूस के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि इराक और सऊदी अरब जैसे पारंपरिक सप्लायर मिलकर भी रूस की आपूर्ति से पीछे रह जाते हैं।

इस तरह से बढ़ा रूस का शेयर

रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला किया, जिसके बाद पूर्वी यूरोप में युद्ध की शुरुआत हुई। इस युद्ध के शुरू होने से पहले भारत के कुल कच्चा तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी एक फीसदी से भी कम थी। पिछले महीने यानी फरवरी 2023 के आंकड़ों के हिसाब से देखें तो अभी रूस अकेले भारत को 35 फीसदी कच्चा तेल आयात कर

रहा है। इस तरह रूस लगातार पांचवें महीने भारत को कच्चा तेल बेचने में नंबर वन बना हुआ है।

भारत उठा रहा मौके का लाभ

भारत अभी तेज आर्थिक वृद्धि के दौर से गुजर रहा है। इस कारण भारत की ऊर्जा जरूरतें भी तेजी से बढ़ी हैं। अभी चीन और अमेरिका के बाद भारत कच्चा तेल का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। हर साल भारत कच्चा तेल खरीदने पर अपने विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा खर्च करता है। अभी युद्ध के चलते जब अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस के ऊपर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए तो रूस ने डिस्काउंट पर कच्चा तेल बेचना शुरू कर दिया। भारत जैसे देशों ने इस अवसर को विदेशी मुद्रा भंडार पर बोझ कम करने और आयात का बिल घटाने के लिए हाथों-हाथ लिया। अभी कई भारतीय कंपनियां रूस से सस्ते में कच्चा तेल खरीद रही हैं।

इन देशों को हो गया नुकसान

रूस से कच्चा तेल के आयात में हुई इस अप्रत्याशित वृद्धि से सऊदी अरब और अमेरिका जैसे देशों को नुकसान हुआ है। फरवरी महीने के दौरान सऊदी अरब से कच्चा तेल का आयात मासिक आधार पर 16 फीसदी कम हुआ है। इसी तरह अमेरिका से आयात में इस दौरान मासिक आधार पर 38 फीसदी की कमी आई है। अभी रूस अकेले इराक और सऊदी अरब से ज्यादा तेल भारत को बेच रहा है, जबकि इराक और सऊदी अरब दशकों से भारत के सबसे बड़े क्रूड ऑयल सप्लायर रहे हैं।

इन देशों से भी आता है कच्चा तेल

फरवरी महीने के दौरान भारत ने इराक से हर रोज औसतन 9.40 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीदारी की। रूस से पहले यही भारत का सबसे बड़ा सप्लायर था, वहीं 6.48 लाख बैरल के औसत के साथ सऊदी अरब अब तीसरे स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात अब अमेरिका को पीछे छोड़ भारत का चौथा सबसे बड़ा सप्लायर बन गया है। फरवरी में यूएई से औसतन 4.04 लाख बैरल हर रोज आया. वहीं अमेरिका से कच्चा तेल का आयात कम होकर 2.48 लाख बैरल प्रति दिन पर आ गया।

हल्दिया रिफाइनरी को पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में विकसित करेगी इंडियन आइल

नई दिल्ली। एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन पश्चिम बंगाल स्थित अपनी मौजूदा हल्दिया रिफाइनरी को पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में विकसित करने की इच्छुक है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि परिचालन को लाभप्रद बनाए रखने के लिए यह फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि एकल रिफाइनरी का संचालन

लाभप्रदता के लिहाज से टिकाऊ नहीं है। ऐसे में इसे पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स (परिसर) में बदलने की योजना है।

अधिकारी ने कहा, 'हम हल्दिया रिफाइनरी के पास एक पेट्रोकेमिकल परिसर स्थापित करना चाहते हैं, जिसकी मौजूदा क्षमता 85 लाख टन प्रति वर्ष है।' उन्होंने कहा कि IOC ने पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स विकसित करने के लिए हल्दिया फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन (HFC) से जमीन मांगी है, जिसकी फैक्टरी बंद पड़ी है। IOC अधिकारी ने कहा, 'हमने HFC से 175 एकड़ जमीन मांगी है। यह रिफाइनरी के पास है और इसे हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (HDC) द्वारा रसायन और उर्वरक मंत्रालय को पट्टे पर दिया गया है। हम पेट्रोकेमिकल परियोजना के लिए जमीन मांग रहे हैं।' उन्होंने कहा कि सुरक्षा उद्देश्यों के लिए भी जमीन की जरूरत है, क्योंकि हल्दिया में रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स भीड़भाड़ वाला हो गया है। एक सवाल के जवाब में IOC के अधिकारी ने कहा कि प्ज्ञ के साथ कई बार चर्चा हुई है लेकिन अभी तक कुछ भी नतीजा नहीं निकला है।

बैंकिंग संकट में अमेरिका, ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने कहा- छोटे बैंकों पर खतरा बरकरार

नई दिल्ली।एजेंसी

अमेरिका पर बैंकिंग संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अमेरिका में दो हफ्तों के भीतर दो बैंकों पर ताला लग गया। वहीं कई बैंकों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। सिलिकॉन वैली बैंक (एस्ॅ) के फेल होने के बाद से अमेरिका में शुरू हुए बैंकिंग संकट का दायरा बढ़ता जा रहा है। अमेरिका के करीब 110 बैंक एसवीबी बैंक जैसी मुश्किल में आ सकते हैं। बैंकिंग हालात को सुधारने के लिए अमेरिका के सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व ने बैंकों को 250 बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई है। सरकार की मदद के बावजूद बैंकों के शेयर में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं अमेरिकी की ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने सरकार का बचाव करते हुए कहा है कि कुछ बैंकों की विफलताओं से पूरे बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की बैंकिंग सिस्टम फेल नहीं हुई है।

अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कुछ बैंकों के नाकाम होने से पैदा हुई आशंकाएं मंगलवार को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा कि अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली 'मजबूत' बनी हुई है और कुल मिलाकर हालात अब स्थिर हो रहे हैं। येलेन ने अमेरिकन बैंकर्स एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में कुछ बैंकों की विफलता से पैदा

हुई आशंकाओं को दूर करने की कोशिश की। हालांकि, उन्होंने कहा कि आगे इस तरह की और नाकामियां होने पर वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा हो सकता है। कैलिफोर्निया के सेंटा क्लारा स्थित सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) 10 मार्च को विफल हो गया जब बैंक की वित्तीय स्थिति को लेकर आशंकित जमाकर्ताओं ने अपने पैसे निकालने के लिए भीड़ लगा दी। यह अमेरिकी इतिहास की दूसरी बड़ी बैंक नाकामी थी। इसके कुछ दिन बैंकिंग नियामकों ने न्यूयॉर्क स्थित सिग्नेचर बैंक के भी नाकाम होने की घोषणा कर दी। नियामकों ने कहा कि इन दोनों बैंकों के सभी जमाकर्ताओं की राशि को संघीय जमा बीमा के तहत संरक्षण मिलेगा।

पिछले सप्ताह एक और बैंक डूबने के कगार पर पहुंच गया था। लेकिन अमेरिका के 11 बैंकों ने मिलकर 30 अरब डॉलर लगाकर सैन फ्रांसिस्को स्थित फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को डूबने से बचा लिया था। इस स्थिति में अमेरिकी सरकार भी हरकत में आ गई है और बैंकिंग प्रणाली के प्रति लोगों का भरोसा बहाल करने की कोशिश कर रही है। एसवीबी के डूबने के मामले की न्याय विभाग और प्रतिभूति आयोग ने जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा राष्ट्रपति जो बाइडन ने क्षेत्रीय बैंकों से संबंधित नियमों को सख्त करने के लिए संसद की बैठक भी बुलाई है।

इस पृष्ठभूमि में येलेन ने कहा कि अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के संरक्षण के लिए सरकारी हस्तक्षेप जरूरी था और आगे जरूरत पड़ने पर इस तरह के और कदम भी उठाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, ''अगर छोटे वित्तीय संस्थानों की जमाएं निकलने लगती हैं तो इस तरह के कदम जरूरी होंगे। उन्होंने कहा, ''मैं साफ-साफ कहना चाहती हूं कि जमाकर्ताओं की बचत और बैंकिंग प्रणाली को सुरक्षित रखने के लिए सरकार सभी जरूरी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिकी वित्त मंत्री को इस हफ्ते संसद की दो समितियों के समक्ष पेश होना है जहां पर उनसे इस मामले में सवाल-जवाब किए जा सकते हैं। बीते सप्ताह भी वह उच्च सदन सीनेट की वित्त समिति के समक्ष पेश हुई थीं।

अब नहीं होगा पेंशन-राशन में घपला...

मौत होते ही आधार कार्ड भी हो जाएगा इनेक्टिव

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में इस तरह के कई मामले सामने आए हैं जिनमें व्यक्ति की मौत के बाद भी परिवार वाले उसके नाम पर राशन और पेंशन समेत दूसरी सुविधाएं लेते रहते हैं। लेकिन अब ऐसा नहीं हो पाएगा। आधार जारी करने वाली संस्था यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया और रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया इसका पक्का इंतजाम करने जा रही हैं। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया देश में जन्म और मृत्यु का रेकॉर्ड रखने वाली संस्था है। दोनों संस्थाएं एक मैकेनिज्म पर काम कर रही हैं। इसमें मृत्यु प्रमाणपत्र जारी होते ही आधार डिएक्टिवेट हो जाएगा। सूत्रों के मुताबिक इस मैकेनिज्म के तहत संबंधित एजेंसी के डेथ सर्टिफिकेट जारी करते ही मृतक के परिवार के पास इसकी जानकारी भेजी जाएगी और उनकी सहमति के बाद नंबर डिएक्टिवेट कर दिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि इस मैकेनिज्म को लागू करने के लिए राज्य सरकारों से भी बातचीत की जा रही है। डेथ सर्टिफिकेट बनाने के लिए परिवार वालों को मृतक का आधार नंबर देना होगा। यूआईडीएआई ने बर्थ सर्टिफिकेट जारी करते समय आधार अलॉट करने की योजना शुरू कर दी है। अब तक 20 राज्य इस सिस्टम को लागू कर चुके हैं। दूसरे राज्यों के भी आने वाले दिनों में इस योजना की शुरू करने की संभावना है। ये सुविधाएं आधार 2.0 का हिस्सा हैं। आधार 2.0 के तहत सरकार इसकी क्रेडिबिलिटी बढ़ाने के साथ-साथ नए फीचर ला रही है।

आधार बदलते ही बदल जाएगी पूरी कुंडली

यूआईडीएआई ने एक महत्वाकांक्षी अपडेशन एक्सरसाइज शुरू की है। जिन लोगों को 10 साल पहले आधार कार्ड जारी किए गए हैं, उनसे अपने रेकॉर्ड को अपडेट करने के लिए कहा जा रहा है। इस बारे में अब तक सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है लेकिन अनुमानों के मुताबिक तीन करोड़ से अधिक लोग अपना आधार अपडेट करा चुके हैं। आधार का इस्तेमाल का दायरा बढ़ता जा रहा है। हेल्थ रेकॉर्ड से लेकर इनकम टैक्स और ड्राइविंग लाइसेंस के लिए इसका यूज हो रहा है। सरकार एक ऐसी व्यवस्था बनाना चाहती है जिसमें आधार की डिटेल में बदलाव होने के साथ ही सारा रेकॉर्ड अपने आप अपडेट हो जाए। पहले चरण में ऐसे लोगों को इसमें शामिल किया जा सकता है जो अपने अहम डॉक्यूमेंट्स को रखने के लिए डिजीलॉकर का इस्तेमाल कर रहे हैं।

आरबीआई ने कहा-रफ्तार जारी रहेगी

नई दिल्ली। एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी बुलेटिन में राहतभरी खबर दी है। ग्लोबल इकोनॉमी में आई सुस्ती को लेकर भारत में टेंशन बढ़ रही थी, लेकन आरबीआई ने इस टेंशन को दूर कर दिया हैष आरबीआई ने कहा कि ग्लोबल अर्थव्यवस्था की तरह भारतीय इकोनॉमी में सुस्ती नहीं आएगी। आरबीआई ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में जो वृद्धि की हासिल की है, वो रफ्तार आगे भी कायम रहेगी।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की तरह भारतीय अर्थव्यवस्था में सुस्ती नहीं आएगी और वित्त वर्ष 2022-23 में हासिल वृद्धि की रफ्तार आगे भी कायम रहेगी। रिजर्व बैंक के एक लेख में यह संभावना जताई गई है। रिजर्व बैंक के बुलेटिन के मार्च संस्करण में प्रकाशित एक लेख में अर्थव्यवस्था की स्थिति का आकलन पेश करते हुए कहा गया है कि तमाम समस्याओं के बावजूद रिजर्व बैंक भारत को लेकर आशावादी बना हुआ है।

मंगलवार को प्रकाशित इस आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक, फरवरी के अंत में जारी आर्थिक वृद्धि संबंधी आंकड़े दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में भारत को बेहतर स्थिति में दर्शाते हैं। इसके लिए घरेलू अर्थव्यवस्था के जुझारूपन के साथ ही घरेलू कारकों पर निर्भरता भी एक अहम घटक रही है। इसमें लिखा गया है कि वर्ष 2023 में वैश्विक वृद्धि पर मंदी की मार पड़ने की आशंका होने के बावजूद भारत शुरुआती धारणा के उलट महामारी के बाद कहीं अधिक मजबूत बनकर उभरा है और चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में इसकी वृद्धि में तेजी बनी हुई है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा की अगुवाई वाले एक दल ने यह लेख लिखा है। लेखक दल का मानना है कि भारत का वास्तविक यानी स्थिर मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद अगले वित्त वर्ष में बढ़कर 170.9 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच सकता है जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में इसके 159.7 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। लेख के मुताबिक, 'वैश्विक अर्थव्यवस्था के उलट भारत में सुस्ती नहीं आएगी। यह वर्ष 2022-23 में हासिल वृद्धि की रफ्तार को कायम रखेगा। हम भारत को लेकर आशावादी बने हुए हैं, चाहे जैसे भी हालात हों। केंद्रीय बैंक ने साफ किया है कि लेख में कही गयी बातें, लेखकों के अपने विचार हैं और वह रिजर्व बैंक के विचार का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।

अंतरिक्ष की सैर, इसरो ने शुरू कर दी स्पेस टूर की तैयारी

नई दिल्ली। एजेंसी

अगर आप घूमने के शौकीन हैं तो अब विदेश नहीं अंतरिक्ष घूमने की तैयारी कर लीजिए। स्पेस (Space) में आपको टूर करवाने के लिए इसरो ने प्लान बना लिया है। स्पेस टूरिज्म की तैयारी कर रही इसरो आपको साल 2030 तक अंतरिक्ष की सैर करवाने लगेगी। यानी आने वाले सालों में आप अंतरिक्ष के बारे में सिर्फ पढ़ और सुन नहीं सकेंगे, बल्कि वहां जानकर उसे करीब से देख सकेंगे, उसे महसूस कर सकेंगे। साइंस की बदौलत जल्द ही आपका ये सपना पूरा होने वाला है ।

6 करोड़ में स्पेस की सैर

भारत स्पेस टूरिज्म की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। इसरो ने इसे बढ़ावा देने के लिए प्लान तैयार कर लिया है। इसे तेजी से पूरा करने की कोशिश की जा रही है। इसरो (ISRO) चीफ एस सोमनाथ ने बताया कि स्पेस टूरिज्म के लिए निजी कंपनियों की भी मदद ली जाएगी। इनकी मदद से इसे पूरा किया जाएगा। ये सफर पूरी तरह सुरक्षित होगा। अंतरिक्ष के सफर के लिए आपको 6 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। इस सफर पर जाने वाले लोग खुद को अंतरिक्ष यात्री कह सकेंगे। यानी अब आम लोग भी इस सफर पर जाकर अंतरिक्ष यात्रा का अनुभव कर सकेंगे।

हालांकि अभी ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि स्पेस टूरिज्म अंतरिक्ष के किनारे तक या फिर अंतरिक्ष की कक्षा तक होगा। आम तौर पर इस तरह से सफर में यात्री अंतरिक्ष की किनारे 15 मिनट का वक्त बिताते हैं। अंतरिक्ष में उतरने से पहले वहां कम गुरुत्वाकर्षण को महसूस करते हैं। ब्लू ओरिजिन, वर्जिन गैलेक्टिक और स्पेसएक्स जैसी कंपनियां स्पेस टूर के लिए काम कर रही हैं। अब इस क्षेत्र में इसरो भी उतर गया है।

बेमौसम बरसात से चढ़ सकते हैं सब्जियों के दाम, जानिए क्या कर रही है सरकार

नई दिल्ली। एजेंसी

बेमौसम बारिश का असर आम आदमी की जेब पर पड़ सकता है। गेहूं, चना, सरसों के साथ मौसमी सब्जियां महंगी हो सकती है। अगर उत्पादन कम हुआ तो इसका सीधा असर दामों पर पड़ेगा। इस बात को लेकर सरकार अलर्ट मोड में आ गई है। अगर खाद्य चीजों के दाम बढ़े तो इसका असर आम आदमी की जेब पर तो पड़ेगा, साथी रिटेल महंगाई में भी बढ़ोतरी हो सकती है। सूत्रों के अनुसार खाद्य और कृषि मंत्रालय दोनों इस काम पर लग गए हैं कि बेमौसमी बारिश से किस-किस फसल को कितना नुकसान हो सकता है, पहले इसका ब्यौरा इकट्ठा कर लिया जाए। फिर इस बारे में उपायों पर विचार किया जाएगा। सरकार को ज्यादा चिंता गेहूं और चने की है।

गेहूं के दाम को कंट्रोल करने के लिए सरकार ने हाल ही में 30 लाख टन गेहूं को खुले मार्केट में बेचा, तब जाकर गेहूं के दाम में स्थिरता आई है। साथ ही आटा भी थोड़ा सस्ता हुआ है। अगर फिर गेहूं के दाम बढ़े तो आटे की कीमत बढ़ जाएगी, जिसका सीधा असर आम आदमी की थाली पर पड़ेगा। एक सीनियर अधिकारी का कहना है कि अभी इस मामले में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। सरकार की पूरी कोशिश होगी कि खाद्य चीजों के दामों में बढ़ोतरी न हो। बेमौसमी से जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई कैसे की जाए, इस बारे में जल्द फैसला लिया जाएगा। वैसा सरकार का अनुमान है कि फसल वर्ष 2022-23 (जुलाई-जून) में गेहूं उत्पादन रिकॉर्ड 11.22 करोड़ टन रह सकता है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश का हाल

इस बीच तीन दिन से मौसम की करवट लेने का क्रम जारी है। पश्चिमी यूपी में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई। वहीं, मंगलवार सुबह कई जगहों पर ओले भी गिरे। इसका सीधा नुकसान किसान को हो रहा है। बारिश और हवा से खेतों में खड़ी गेहूं, सरसों की फसल को नुकसान हुआ है। खेतों के गीला होने से गन्ने की छिलाई और आलू की खुदाई भी रुक गई है। हवा और ओले गिरने से आम के बागों को नुकसान पहुंचा है। अगर और ओलावृष्टि हुई तब आम के बाग मालिकों को भी बड़ा नुकसान होगा। मौसम के जानकार बुधवार को भी बारिश की संभावना जता रहे हैं।

जानकारों ने पहले बताया था कि मंगलवार और बुधवार को मौसम खुला रह सकता हैं लेकिन एकाएक मौसम ने करवट ली। अब 23 मार्च से पश्चिमी विक्षोभ के दोबारा सक्रिय होने से मौसम फिर करवट लेगा और कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना रहेगी। इसको लेकर किसान परेशान है। किसानों का कहना है कि बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं और सरसों की फसल को ज्यादा नुकसान हुआ है। गेहूं की फसल गिर गई है। गेहूं में अभी दाना कच्चा है, वह काला पड़ जाएगा।

गिरे रहने से फसल की उत्पादन क्षमता कम हो जाएगी और भूसा भी खराब हो जाएगा। पानी भरा रहने से गेहूं गल भी सकता है। खेत की जमीन गीली होने से पौधा हवा में गिर गया। उसके दाने झड़ गए। इससे भी काफी नुकसान हुआ है। किसानों ने कहा कि सब्जियों पर इस बारिश का प्रतिकूल असर पड़ता दिख रहा है। खेत में पानी के कारण या ज्यादा वक्त गीला रहने के कारण खीरा, ककड़ी, तोरी, लौकी आदि सब्जी के खराब होने का खतरा है।

निवेशकों ने जमकर बनाए पैसे, सेंसेक्स और निफ्टी उछाल के साथ हुए बंद

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

बाजार में कल से ही रौनक दिख रही है। आज लगातार दूसरे दिन सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल दर्ज की गई है। सेंसेक्स 155 अंकों की उछाल के साथ 58,229 पर चला गया है। वही हाल निफ्टी का भी है। वह 41 अंकों की उछाल के साथ 18,029 पर जा पहुंचा है। बाजार में लौटी इस तेजी से निवेशकों की मोटी कमाई हुई है। एक ही दिन में निवेशक मालामाल हो गए हैं। मंगलवार की तेजी को जारी रखते हुए आज भी शेयर बाजार हरे निशान पर खुले। सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती मिनटों में तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। इस दौरान तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 344.1 अंक बढ़कर 58,418.78 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 99.75 अंक चढ़कर 17,207.25 अंक पर था। सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, लार्सन एंड टूब्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक और टाटा स्टील लाभ में कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, पॉवर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक तथा एचडीएफसी नुकसान में थे।

विदेशी मार्केट का दिखा भारतीय बाजार पर असर

रविवार को क्रेडिट सुइस और यूबीएस सौदे के बाद दुनिया भर के शेयर बाजारों ने राहत ली है। सोमवार को अमेरिकी बाजारों में तेजी दिखाई दी। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 382.6 अंक बढ़कर 32,244.58 पर, एसएंडपी 500 34.93 अंक बढ़कर 3,951.57 पर और नैस्डैक कंपोजिट 45.03 अंक बढ़कर 11,675.54 पर पहुंच गया। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो यहां भी शेयर बाजार पॉजिटिव मूड में थे। ऑस्ट्रेलिया में, S&P/ASX 200 1.07 प्रतिशत अधिक चढ़ गया, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.73 प्रतिशत ऊपर कारोबार कर रहा था। जापान में बाजार छुट्टी के चलते बंद हैं।

दुनिया के लिए जरूरी हैं ये 30 बैंक

एक भी डूबा तो आ जाएगी आर्थिक तबाही

नई दिल्ली। एजेंसी

पिछले कुछ दिनों से दुनियाभर के बैंकिंग सेक्टर में हाहाकार मचा हुआ है। इस संकट की शुरुआत अमेरिका से हुई। वहां पांच दिन के अंतराल में दो बैंक डूब गए। स्टार्टअप कंपनियों को लोन देने वाला सिलिकॉन वैली बैंक सबसे पहले डूबा। यह अमेरिका का 16वां सबसे बड़ा बैंक था। इसके कुछ दिन बाद फिर क्रिप्टो कंपनियों को लोन देने वाला सिग्नेचर बैंक भी डूब गया। एक और बैंक फर्स्ट रिपब्लिक अंतिम सांसें गिन रहा है। यहां तक तो ठीक था लेकिन जब इसकी तपिश यूरोप के दिग्गज बैंक क्रेडिट सुइस तक पहुंची तो दुनिया में हंगामा मच गया। आखिर क्रेडिट सुइस में ऐसा क्या है कि दुनिया के लिए इसे बचाना जरूरी है। क्रेडिट सुइस न केवल स्विट्जरलैंड का दूसरा बड़ा बैंक है बल्कि यह दुनिया के लिए 30 सबसे अहम बैंकों में शामिल है। फाइनेंशियल स्टैबिलिटी बोर्ड हर साल 30 ऐसे बैंकों की लिस्ट जारी करता है जो दुनिया की वित्तीय सेहत को दुरुस्त रखने के लिए

अहम होते हैं। इन्हें ग्लोबल सिस्टेमिकली इंपोर्टेंट बैंक (उ-एइँ) कहा जाता है। ये ऐसे बैंक हैं जिन्हें दुनिया किसी भी कीमत में डूबने नहीं दे सकती है। इन लिस्ट में शामिल एक बैंक भी डूब गया तो दुनिया के फाइनेंशियल सिस्टम में सूनामी आ सकती है। यही वजह है कि स्विट्जरलैंड की सरकार हर हाल में इस बैंक को बचाने में लगी है। उसने ही क्रेडिट सुइस और यूबीएस (ळँए) के बीच डील कराई है। इन बैंकों की अगली लिस्ट इस साल नवंबर में आएगी।

चीन के चार बैंक, भारत का एक भी बैंक नहीं

G-SIB की लिस्ट में यूरोप के 13, नॉर्थ अमेरिका के 10 और एशिया के सात बैंक हैं। नॉर्थ अमेरिका की बात करें तो 10 में से नौ बैंक अमेरिका के हैं जबकि एक बैंक कनाडा का है। अमेरिकी बैंकों में जेपी मोर्गन, बैंक ऑफ अमेरिका, सिटीग्रुप, एचएसबीसी, गोल्डमैन सैस, बैंक ऑफ न्यूयॉर्क, मॉर्गन स्टैनली, स्टेट स्ट्रीट और वेल्स फार्गो शामिल हैं। वहीं एशिया में चार बैंक चीन के और तीन जापान के हैं। चीन के बैंकों में इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना, एग्रीकल्चरल बैंक ऑफ चाइना, चाइना कंस्ट्रक्शन बैंक और बैंक ऑफ चाइना शामिल हैं। इस लिस्ट में भारत का एक भी बैंक नहीं है। यूरोपीय बैंकों की बात करें तो इसमें बार्कलेज, बीएनबी परिबा, डॉयचे बैंक, क्रेडिट सुइस, ग्रुप बीपीसीई, ग्रुप क्रेडिट एग्रीकोल, आईएजी, Santander, Societe Generale, Standard Charted, UBS और UniCredit शामिल हैं।

दुनिया के केंद्रीय बैंक भी अपने देश के लिए सिस्टेमिकली इंपोर्टेंट बैंकों का चयन करते हैं। भारत में बैंकिंग सिस्टम की निगरानी का काम आरबीआई करता है। उसे जिस बैंक में भी गड़बड़ी दिखती है वह उसे तुरंत सुधार करने के लिए कहता है। आरबीआई की सख्ती के कारण भारत अब तक ग्लोबल क्राइसिस से अछूता रहा है। भारत में अधिकांश बैंक सुरक्षित हैं। लेकिन फिर भी सभी बैंक एक तरह के नहीं हैं। आरबीआई ने खुद तीन बैंकों एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी को सिस्टेमिकली इंपोर्टेंट बैंक माना है। इन्हें देश की इकॉनमी के लिए अहम माना गया है। यानी आरबीआई कभी भी इन बैंकों को डूबने नहीं देगा। इसी तरह चीन ने 19 बैंकों को एसआईबी लिस्ट में डाली है।

एयर इंडिया ने बंद किया 40 सालों से चल रहा इंदौर का सिटी आफिस

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

देश की सबसे पुरानी हवाई यात्रा की कंपनी एयर इंडिया ने इंदौर शहर में अपना आफिस बंद कर दिया है। एयर इंडिया ने 40 सालों तक शहर से अपने आफिस का संचालन किया। एयर इंडिया ने तत्काल प्रभाव से इस आफिस को बंद करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने इस संबंध में नोटिस चस्पा किया है। इस नोटिस पर लिखा है कि आफिस को तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है। आप इंदौर हवाईअड्डे पर टिकट काउंटर पर संपर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही कुछ फोन नंबर दिए हैं, जिससे मदद ली जा सकती है। सबसे नीचे लिखा है कि असुविधा के लिए खेद हैं। गौरतलब है कि इंदौर से एयर इंडिया की कई घरेलू उड़ाने संचालित होती हैं। इसके अलावा इंदौर से दुबई जाने वाली एकमात्र अंतरराष्ट्रीय उड़ान भी एयर इंडिया की ही है। हाल ही में एयर इंडिया ने ही शारजाह के लिए एक और अंतरराष्ट्रीय उड़ान की घोषणा की है।

श्रीलंका को IMF से मिला 2.9 बिलियन डॉलर का बेलआउट पैकेज

नई दिल्ली। एजेंसी

श्रीलंका 1948 में आजादी के बाद से अब तक के सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है, ऐसे में इस द्वीप राष्ट्र को अंततः अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 2.9 अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज मिल गया है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य के वित्त राज्य मंत्री शेहान सेमासिंघे ने सोमवार देर रात मीडिया को इसकी पुष्टि की। सेमसिंघे ने कोई और ब्योरा दिए बिना कहा कि राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे मंगलवार को एक विशेष घोषणा करेंगे। सौदे के जवाब में, राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग ने कहा कि विक्रमसिंघे ने आईएमएफ और अन्य अंतरराष्ट्रीय भागीदारों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

इस पैकज से श्रीलंका की स्थिति होगी बेहतर

आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने विस्तारित फंड सुविधा (ईएफएफ) के तहत श्रीलंका के कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है, जो श्रीलंका को 7 अरब डॉलर तक वित्त पोषण करने में सक्षम बनाएगा। राष्ट्रपति

ने वित्तीय संस्थानों और लेनदारों के साथ सभी चर्चाओं में पूर्ण पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध किया है।

श्रीलंका पर आईएमएफ ने क्या कहा

आईएमएफ कार्यक्रम इस दृष्टि को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है और अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार में श्रीलंका की स्थिति में सुधार करने में मदद करेगा, जिससे यह निवेशकों, प्रतिभा और पर्यटकों के लिए एक आकर्षक देश बन जाएगा। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में, आईएमएफ ने कहा था कि श्रीलंका ने चीन और भारत सहित अपने सभी प्रमुख लेनदारों से वित्तपोषण का आश्वासन प्राप्त किया था, जिसने बेलआउट का मार्ग प्रशस्त किया।

श्रीलंका के ऊपर कितने देशों का ऋण बकाया है

संकटग्रस्त द्वीप राष्ट्र ने शुरू में 2022 के अंत तक चीन और भारत के साथ एक नई भुगतान योजना पर सहमत होने की उम्मीद की थी। वर्तमान में, श्रीलंका को बीजिंग का ऋण लगभग 7 बिलियन डॉलर है, जबकि भारत का लगभग 1 बिलियन डॉलर का बकाया है। सोमवार को बीबीसी से बात करते हुए,विदेश मंत्री ने कहा, निजीकरण कर धन जुटाएगी सरकार। विदेश मंत्री अली साबरी ने कहा कि सरकार राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों का पुनर्गठन करके और राष्ट्रीय एयरलाइन का निजीकरण करके धन जुटाएगी। साबरी ने मीडिया को बताया, सौभाग्य से, राजनीतिक रूप से प्रेरित संघों के अलावा अधिकांश लोग यह समझ गए हैं। मुझे पता है कि वे खुश नहीं हैं, लेकिन वे यह भी समझते हैं कि हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। कोविड-19 महामारी, ऊर्जा की बढ़ती कीमतों, लोकलुभावन करों में कटौती और 50 प्रतिशत से अधिक की मुद्रास्फीति ने श्रीलंका को पस्त कर दिया है।

पहली बार श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय उधारदाताओं को ऋण चुकाने में रहा नाकाम

दवाओं, ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कमी ने भी जीवन यापन की लागत को उच्च रिकॉर्ड करने के लिए प्रेरित किया, हिंसक राष्ट्रव्यापी विरोधों को ट्रिगर किया जिसने 2022 में गोटबाया राजपक्षे सरकार को उखाड़ फेंका। परिणामस्वरूप देश अपने इतिहास में पहली बार पिछले मई में अंतरराष्ट्रीय उधारदाताओं को ऋण चुकाने में विफल हो गया।

31 मार्च तक बैंकों में नहीं रहेगी कोई छुट्टी, रविवार को भी होगा काम, RBI का आदेश

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्त वर्ष 2022 2023 समाप्त होने में अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। 1 अप्रैल के साथ ही नए फाइनेशियल ईयर की शुरुआत हो जाएगी। बता दें, इस दौरान हम साल भर में हुए सभी खर्च का ब्यौरा या हिसाब करते है। मार्च महीने में ही सारे अकाउंट का हिसाब किताब होता है, फिर इसे क्लोज कर दिया जाता है। ऐसे में आरबीआई ने सभी बैंकों को रविवार को खुले रहने का निर्देश दिया है। दरअसल, 31 मार्च मौजूदा वित्त वर्ष का आखिरी दिन होता है। इस दिन बैंकों में क्लोजिंग का काम होता है। यही वजह है कि आरबीआई ने सभी बैंकों को सरकारी लेन देन के लिए शाखाएं खोलने के आदेश जारी किए हैं।

हालांकि, ग्राहकों के लिए इस दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। लेकिन, बैंक ब्रांच में चेक जमा हो सकेंगे। साथ ही इस दिन ऑनलाइन बैंकिंग को भी खोला रखा जाएगा। 31 मार्च के बाद लगातार 2 दिन यानी 1 और 2 अप्रैल को बैंकों में कामकाज नहीं होगा।

क्या है आरबीआई का निर्देश

केंद्रीय बैंक के पत्र में कहा गया है, 'सभी एजेंसी बैंकों को 31 मार्च, 2023 को सामान्य कामकाजी घंटों तक सरकारी लेनदेन से संबंधित काउंटर लेनदेन के लिए अपनी नामित शाखाओं को खुला रखना चाहिए.' इसने आगे कहा कि नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (NEFT) और रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) सिस्टम के माध्यम से लेनदेन 31 मार्च, 2023 की रात 12 बजे तक जारी रहेगा। साथ ही, 31 मार्च को सरकारी चेकों के संग्रह के लिए विशेष समाशोधन आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए आरबीआई का भुगतान और निपटान प्रणाली विभाग (ड्ड्एए) आवश्यक निर्देश जारी करेगा।

31 मार्च कर लें ये सभी काम

31 मार्च से पहले पैन को आधार लिंक करा लें। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो 1 अप्रैल से आपका पैन किसी काम का नहीं रहेगा। पीएम वय वंदना योजना में निवेश करने का अंतिम मौका भी इसी दिन है। इसके अलावा अगर आप भी ITR फाइल करते हैं तो आपको 31 मार्च से पहले ITR फाइल कर लेना है। वरना आपको जुर्माना देना होगा।

मध्यप्रदेश के देवास, बैतूल और विदिशा में जियो ट्रू 5जी लॉन्च

अब तक देश के 406 शहर जियो ट्रू 5जी से जुड़े

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

रिलायंस जियो की ट्रू5जी सर्विस अब देश के 406 शहरों में पहुंच गई है। 5जी रोलआउट की स्पीड में, रिलायंस जियो की प्रतिद्वंदी कंपनियां कहीं पीछे छूट गई हैं। 400 से अधिक शहरों में ट्रू 5जी नेटवर्क लॉन्च करने वाली जियो देश की पहली कंपनी बन गई है। नए लॉन्च किए गए अधिकांश शहरों में 5जी लॉन्च करने वाला रिलायंस जियो पहला टेलीकॉम ऑपरेटर है। मध्यप्रदेश के देवास, बैतूल और विदिशा में जियो ट्रू 5जी सेवा शुरू हो रही है। अब तक जियो मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के 25 शहरों में जियो ट्रू 5जी लांच कर चुकी है। 16 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 41 नए शहर जियो ट्रू5जी से जुड़ गए। नए जुड़े शहरों की लिस्ट में आंध्र प्रदेश के अदोनी, बडवेल, चिलकालुरिपेट, गुडिवाड़ा, कादिरी, नरसापुर, रायचोटी, श्रीकालहस्ती, ताडेपल्लीगुडेम, गोवा का मडगांव, हरियाणा के फतेहाबाद, गोहाना, हांसी, नारनौल, पलवल, हिमाचल प्रदेश का पोंटा साहिब, जम्मू और कश्मीर का राजौरी, झारखंड का दुमका, कर्नाटक का रॉबर्टसनपेट, केरल के कान्हांगड, नेदुमंगड, तलिपरम्बा, थालास्सेरी, थिरुवल्ला, महाराष्ट्र के भंडारा, वर्धा, मिजोरम का लुंगलेई, ओडिशा के ब्यासनगर, रायगड़ा, पंजाब का होशियारपुर, राजस्थान का टोंक, तमिलनाडु के कराईकुडी, कृष्णागिरि, रानीपेट, थेनी अल्लीनगरम, उधगमंडलम, वनियामबाड़ी और त्रिपुरा का कुमारघाट शामिल हैं। कंपनी ने दावा किया है कि जियो किसी भी नए शहर में तभी ट्रू5जी का रोलआउट करता है जब वहां पर्याप्त रूप से 5जी का कवरेज मिलने लगता है। लाखों यूजर्स जियो ट्रू5जी का इस्तेमाल कर रहे हैं और ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर कंपनी दुनिया का सबसे बेहतरीन 5जी नेटवर्क खड़ा करने की कोशिश कर रही है। लॉन्च पर जियो के प्रवक्ता ने कहा, 'देश भर में लाखों उपयोगकर्ता जियो ट्रू 5जी का इस्तेमाल करने लगे हैं। हमें विश्वास है कि हमारे नेटवर्क की ताकत ग्राहकों के जीवन को बेहतर बनाएगी। जियो अपनी ट्रू 5जी का तेजी से विस्तार कर रहा है। देश के अधिकांश हिस्से को हम कवर कर चुके है यह हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। डिजिटाइज़ेशन के हमारे प्रयासों को समर्थन देने के लिए हम राज्य सरकारों और प्रशासकों के आभारी हैं। 21 मार्च 2023 से नए जुड़े 41 शहरों में जियो उपयोगकर्ताओं को जियो वेलकम ऑफर के तहत आमंत्रित किया जाएगा। आमंत्रित यूजर्स को बिना किसी अतिरिक्त लागत के 1 Gbps + स्पीड पर असीमित डेटा मिलेगा।

वोटर आईडी-आधार पर बड़ा अपडेट

सरकार ने बढ़ा दी लिंक करने की डेडलाइन

2024 तक जारी रहेगी यह सुविधा

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार ने वोटर आईडी और आधार लिंक करने की डेडलाइन बढ़ा दी है। इससे कार्ड धारकों को बड़ी सहूलियत मिलेगी। सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि अब यह सुविधा अगले साल तक रहेगी और अगर कोई कार्ड धारक वोटर आईडी व आधार को लिंक करने में असफल रहता है तो भी उस पर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह काम पूरी तरह वॉलेंटरी है, जिसका कई तरह से फायदा भी मिलेगा।

सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर बताया है कि अभी तक वोटर आईडी और आधार को लिंक करने की आखिरी डेट 1 अप्रैल, 2023 थी, जिसे अब बढ़ाकर 31 मार्च, 2024 कर दिया गया है। यानी कार्ड धारकों को यह काम निपटाने के लिए पूरे 1 साल का अतिरिक्त समय दिया गया है. सरकार ने यह भी कहा है कि आधार और वोटर आईडी को लिंक करने का काम पूरी तरह स्वैच्छिक है और इसे जरूरी नहीं रखा गया है. अगर कोई व्यक्ति इस काम को पूरा करने में असफल रहता है तो उस पर किसी तरह की कार्रवाई भी नहीं की जाएगी। हालांकि, चुनाव आयोग ने दोनों कार्ड लिंक करने के कई फायदे भी बताए हैं। आयोग का कहना है कि इससे सही मतदाता की पहचान और एक ही लोकसभा क्षेत्र में समान नाम से दो पंजीकरण होने को रोका जा सकता है।

कॉल और एसएमएस से बन जाएगा काम

वोटर आईडी और आधार कार्ड को लिंक करने काम ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड से किया जा सकता है। आप चाहें तो मोबाइल से मैसेज भेजकर या फिर कॉल करके भी लिंकिंग का काम पूरा कर सकते हैं। एएए के जरिये लिंक कराने के लिए अपने आधार और वोटर आईडी का नंबर लिखकर 166 या 51969 पर एएए करना होगा। इसके लिए ECILINK<SPACE><EPIC No.><SPACE><Aadhaar No.> के फॉर्मेट में मैसेज करना होगा। आप चाहें तो 1950 नंबर पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कॉल करके अपना वोटर आईडी और आधार नंबर बताकर उसे लिंक करा सकते हैं।

9 दिन नौ देवियों को चढ़ाएं यह भोग और पाएं आशीर्वाद

22 मार्च बुधवार से चैत्र नवरात्रि की शुरूआत होने वाली है. इस बार चैत्र नवरात्रि पूरे 9 दिनों तक रहेगी. 30 मार्च को रामनवमी के साथ इसका समापन हो जाएगा. चैत्र नवरात्रि के साथ ही हिंदू नववर्ष की शुरूआत भी होगी. इस दिन ही महाराष्ट्र में उड़ी पड़वा का त्योहार और दक्षिण भारत में उगादी का त्योहार मनाने की परंपरा है. एक वर्ष में चार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है जिसमें शारदीय और चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व होता है. नवरात्रि पर देवी दुर्गा के नौ रूपों की अलग-अलग पूजा आराधना और साधना की जाती है.

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि पर कलश स्थापना और देवी के पहले स्वरूप की पूजा के साथ नौ दिनों तक देवी दुर्गा का महापर्व शुरू हो जाता है. नवरात्रि के 9 दिन बहुत ही खास और शुभ होते हैं. जिस तरह से नवरात्रि के 9 दिनों में अलग-अलग देवी के स्वरूप की पूजा करने का विधान होता है उसी तरह से इन नौ दिनों तक नौ देवियों का भोग भी अलग-अलग होता है. आइए जानते हैं नवरात्रि के 9 दिनों में देवी को अलग-अलग प्रसाद अर्पित करने का महत्व.

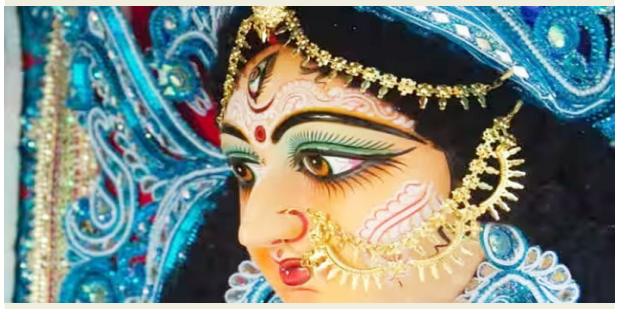

पहला दिन मां शैलपुत्री- नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना के साथ देवी दुर्गा के पहले स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है. मां शैलपुत्री हिमालय राज की पुत्री हैं और ये वृषभ पर सवारी करती हैं. इस दिन इन्हें गाय का घी और इससे बनी चीजों का भोग लगाना चाहिए. इससे व्यक्ति को आरोग्यता और सुख समृद्धि प्राप्ति होती है.

दूसरा दिन मां ब्रह्मचारिणी- नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने का विधान होता है. मां के इस स्वरूप को शक्कर का भोग बेहद ही प्रिय होता है.

तीसरा दिन मां चंद्रघंटा- नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है. मां चंद्रघंटा शेर की सवारी करती हैं. इस दिन मां को दूध से बनी मिठाइयां, खीर और पकवान का भोग लगाएं.

चौथा दिन मां कूष्मांडा- नवरात्रि के चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा होती है. माता के इस स्वरूप को मालपुआ बेहद ही प्रिय होता है. ऐसे में नवरात्रि के चौथे दिन मां को मालपुए का भोग लगाएं.

पांचवां दिन मां स्कंदमाता- माँ स्कंदमाता की पूजाव नवरात्रि के पांचवें दिन होती है. ऐसे में इन्हें केले का भोग लगाया जाए तो इससे माँ की प्रसन्नता शीघ्र हासिल की जा सकती है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन केले का भोग लगाने से सभी शारीरिक रोगों से मुक्ति मिलती है और संतान की सेहत अच्छी रहती है.

छठा दिन मां कात्यायनी- इस दिन माता को शहद चढ़ाना बहुत ही शुभ माना जाता है क्योंकि मां कात्यायनी को शहद बेहद प्रिय है. मां को शहद का भोग लगाने से व्यक्ति का आकर्षण शक्ति में वृद्धि होती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है.

सातवाँ दिन कालरात्रि- नवरात्रि के सातवें दिन मां के कालरात्रि स्वरूप की पूजा होती है. इस मां कालरात्रि को गुड़ का भोग बेहद ही प्रिय होता है. इस दिन मां को गुड़ का भोग लगाने पर रोग व शोक से मुक्ति मिलती है.

आठवां दिन मां महागौरी- इस दिन मां को भोग में हलवा का प्रसाद चढ़ाना बहुत ही शुभ होता है. इससे अलावा इस दिन नारियल का भोग लगाने पर माता की विशेष कृपा मिलती है और घर में हमेशा धन-धान्य बना रहेगा.

नौवां दिन मां सिद्धिदात्री- नवरात्रि के नौवां दिन माता सिद्धिदात्री की पूजा का विधान होता है. इस दिन देवी सिद्धिदात्री को हलवा-पूड़ी और खीर का भोग लगा कर कन्या पूजन करना चाहिए.

राम नवमी के दिन इन 5 चीजों में से खरीद लें एक चीज, राम जी की होगी कृपा, मिलेंगे शुभ परिणाम

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

धार्मिक मान्यता के अनुसार चैत्र माह की नवमी के दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। इस साल रामनवमी का पर्व 30 मार्च 2023, गुरुवार को मनाया जाएगा। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग, रवि योग और गुरु पुष्य योग बन रहा है। अतः इस दिन पूरे दिन खरीदारी का भी शुभ मुहूर्त रहेगा। अतः इस दिन आप चाहें तो 5 में से कोई एक खरीद सकते हैं। राम नवमी के दिन व्रत रखने और विधि विधान से पूजा करने पर व्यक्ति की समस्त मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। रामरक्षा स्तोत्र का पाठ करने से सभी कष्टों का निवारण हो जाता है। आइए जानते हैं कि राम नवमी के दिन किन चीजों को खरीदने से मिलते हैं शुभ परिणाम.

राम नवमी के दिन भगवान राम को खीर, केसर भात या फिर धनिए का भोग लगाएं। मिठाई में प्रभु राम को बर्फी, गुलाब जामुन या कलाकंद भोग लगाना उत्तम होता है। पूजा सम्पन्न होने के बाद भोग लगाई गई चीजों में से प्रसाद का वितरण कर दें।

राम नवमी के दिन इन वस्तुओं को खरीदना बेहद शुभः

1. इस दिन पूजा का सामान, मांगलिक वस्तुएं, पीली वस्तुएं या सोना खरीदें।

2. इस दिन चांदी का हाथी खरीदकर लाएं और उसे घर में स्थापित करें।

3. इस दिन हनुमानजी या श्रीराम सीता की मूर्ति भी खरीद सकते हैं।

4. इस दिन घर के लिए सजावटी सामान भी खरीद सकते हैं।

5. इस दिन वाहन, भूमि या भवन खरीदने का भी शुभ योग है।

रामनवमी के दिन यह काम भी करें

इस दिन रामायण का पाठ करते हैं। रामरक्षा स्त्रोत भी पढ़ते हैं। कई जगह भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया जाता है। भगवान राम की मूर्ति को फूल-माला से सजाते हैं और स्थापित कर पालने में झुलाते हैं। कई जगहों पर पालकी या शोभायात्रा निकाली जाती है। अयोध्या में राज जन्मोत्सव का भव्य आयोजन होता है।

सूर्यास्त के समय करें ये उपाय, अमीर बनने का रास्ता होगा आसान

आचार्य संतोष भार्गव
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसके ऊपर मां लक्ष्मी और कुबेर देव की कृपा बनी रहे। उसका परिवार हमेशा सुखी रहे। इसके लिए व्यक्ति कड़ी मेहनत भी करता है। हालांकि कई बार कुंडली में कमजोर ग्रह होने के कारण भाग्य का साथ नहीं मिल पाता। दिन-रात मेहनत के बाद भी फल नहीं मिलता है। इसके पीछे भाग्य के अलावा वास्तु दोष को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई बार वास्तु दोष धनहानि का कारण बनते हैं। साथ ही, तरक्की में बाधा उत्पन्न करते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे उपायों के बारे में जिनका पालन करने से व्यक्ति पर देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है।

- हिंदू धर्म में सूर्योदय और सूर्यास्त का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस समय किए गए शुभ कार्य से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय सूर्य देव को प्रमाण करना चाहिए। इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

- हिंदू धर्म में शाम के समय की पूजा का विशेष महत्व है। ऐसे में शाम के समय घर के मंदिर और तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाएं। इससे धन की देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

- सूर्यास्त के समय घर में रोशनी कर दें। अंधेरा होने से नेगेटिव एनर्जी का संचार बढ़ाता है। वहीं, व्यक्ति का मानसिक तनाव बढ़ने लगता है।

- सूर्यास्त के समय सोना नहीं चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ता है। वहीं, मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं।

- सूर्यास्त के समय पितरों का स्मरण करते हुए उन्हें नमन करना चाहिए। इससे पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन के कष्ट दूर होते हैं।

संवत 2080 के वर्ष राजा बुध और मंत्री शुक्र होंगे

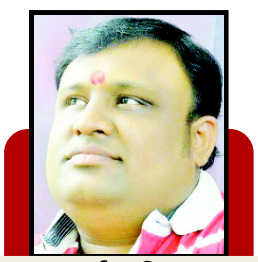

आचार्य पंडित भारत भूषण शर्मा (आर्य)
9479750000
8821938000
संस्थापक संस्थान-आर्येश भारतीय ज्योतिष अनुसंधान केंद्र

शनि के उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में होगा हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2080 का सूर्य उदय। संवत का मंत्री शुक्र के रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगा महिलाओं का प्रभाव। संवत के वर्ष राजा होंगे बुध और उनके मंत्री रहेंगे शुक्र देव, वही सेनापति का कार्यभार संभालेंगे। देव गुरु बृहस्पति अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 22 मार्च बुधवार को हिंदू नव वर्ष प्रारंभ हो रहा है। फाल्गुन मास समाप्त होने के बाद चैत्र माह नववर्ष का पहला माह होता है। इसे विक्रम संवत का नव संवत्सर भी कहते हैं। ब्रह्मा जी ने सृष्टि का आरंभ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को ही किया था। इस बार विक्रम संवत 2080 वर्ष के नाम से जाना जाएगा। इसे गुड़ी पड़वा के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू नव वर्ष हिंदू कैलेंडर और पंचांग प्रतिवर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को प्रारंभ होता है। इस वर्ष आकाशीय मंडल में 2080 संवत की यदि मंत्रिमंडल की बात करें, तो इस 2080 संवत के वर्ष राजा बुध रहेंगे। उनके मंत्री शुक्र होंगे। वही सेनापति का कार्यभार देव गुरु बृहस्पति संभालेंगे और संवत्सर के वाहन गीदड़ और सियार होंगे। इस विक्रम संवत का नाम पिंगल होगा।

क्या रहेगा प्रभाव विक्रम संवत 2080 का

■संवत के राजा बुध होने से व्यापारी वर्ग को अपने कारोबार में उन्नति मिलेगी। इस दौरान शिल्पकार, लेखक एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ मिलता रहेगा। संवत का मंत्री इस साल शुक्र के होने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं का प्रभाव बढ़ेगा। साथ ही फैशन, फिल्मी उद्योग ,मनोरंजन के क्षेत्र में भारत के साथ दुनिया भर में रुझान देखने को मिलेगा।

■संवत का वाहन गीदड़ और सियार होने से इस संवत में कहीं सूखा तो कहीं अतिवृष्टि से जनधन की हानि होगी। देश के कई राज्यों में खासतौर पर दक्षिणी राज्यों में सत्ता में उथल-पुथल की स्थिति के साथ सत्ता परिवर्तन भी हो सकते हैं। 2080 संवत में 9 राज्यों में से कम से कम 7 राज्यों में भाजपा की सरकार बनने के योग रहेंगे। मोटे अनाजों और खाद्यय पदार्थों की कीमतों में तेजी आएगी।

■ वर्ष संवत की कुंडली कहती है कि पाकिस्तान,अफगानिस्ता, यमन, टर्की, ईरान इन मुस्लिम देशों में कई विस्फोटक घटनाएं हो सकती हैं। रूस यूक्रेन युद्ध के बीच युद्ध से एक नया राष्ट्र का उदय होने की संभावना है। राशि गति यदि बात करें, तो संवत 2080 में मिथुन राशि, सिंह राशि, तुला राशि और धनु राशि के जातक विशेष लाभ धन अर्जित करेंगे।

नेक्सॉन ईवी ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपनी जगह बनाई

इलेक्ट्रिक वाहन द्वारा 'सबसे तेज' के2के ड्राइव

453 किलोमीटर की बढ़ी हुई रेंज के साथयात्रा सफलतापूर्वक संपन्न

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

टाटा मोटर्स, भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास में सबसे आगे रहने वाली वाहन निमार्ता कंपनी है। टाटा ने घोषणा की है कि भारत की सबसे ज्यादा भरोसेमंद और सबसे ज्यादा चलने वाली नेक्सॉन ईवी ने एक इलेक्ट्रिक वाहन द्वारा कश्मीर से कन्याकुमारी तक की 'सबसे तेज' ड्राइव करके इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सफलतापूर्वक अपनी जगह बनाई है।

भारत के नंबर वन इलेक्ट्रिक वाहन नेक्सॉन ईवी ने सिर्फ 95 घंटे और 46 मिनट (4 दिन) में 4003 किलोमीटर की ड्राइव पूरी की है और मल्टी-सिटी ट्रिप्स के लिये अपनी क्षमता को सफलतापूर्वक साबित किया है। इसके अलावा, यह नॉन-स्टॉप ड्राइव भारत के राजमार्गों पर मौजूद पब्लिक चार्जिंग के विस्तृत और बेहतरीन नेटवर्क के कारण भी संभव हो सकी। पूरी यात्रा में फास्ट चार्जिंग के लिये केवल 21 स्टॉप्स पर कुल 28 घंटे खर्च करने के साथ नेक्सॉन ईवी ने न सिर्फ पूरी यात्रा में समय बचाया, बल्कि आईसीई वाहन की तुलना में उल्लेखनीय ढंग से खर्च भी बचाया।

यात्रा के दौरान, नेक्सॉन ईवी को एक आम कार की तरह चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों और मौसम की कठिन स्थितियों में चलाया गया और इसने 300ह्र किलोमीटर की औसत रियल-वर्ल्ड रेंज प्रदान की। इस खूबसूरत सफर का मजा कंपनी की लीडरशिप टीम ने भी लिया और नेक्सॉन ईवी को भारत के विभिन्न इलाकों में ड्राइव किया। एक ईवी द्वारा 'सबसे तेज' के2के ड्राइव के रिकॉर्ड के अलावा नेक्सॉन ईवी ने 23 अतिरिक्त रिकॉर्ड भी बनाए हैं।

इस असाधारण उपलब्धि पर अपनी बात रखते हुए, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के एमडी श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, 'नेक्सॉन ईवी ने एक इलेक्ट्रिक वाहनद्वारा सबसे तेज के2के ड्राइव के लिये इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपनी जगह बनाकर अपनी क्षमताओं को साबित कर दिया है। यह उपलब्धि इस उत्पाद की असीम क्षमता और देशभर में टाटा पावर की मौजूदगी से समर्थित चार्जिंग के शानदार बुनियादी ढांचे की उपलब्धता का प्रमाण है। नियमित अंतरालों पर एक फास्ट चार्जिंग स्टेशन था, जैसे कि 75 से 100 किलोमीटर के बीच, जोकि भारत के ईवी पारितंत्र के लिये अपने आप में एक बेहतरीन उपलब्धि है।

जनवरी में रिजर्व बैंक ने बेचे शुद्ध 38.4 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने जनवरी 2023 में घरेलू विदेशी मुद्रा बाजार में शुद्ध रूप से 38.4 करोड़ डॉलर की बिक्री की है। केंद्रीय बैंक के हाल के बुलेटिन से पता चलता है कि जनवरी में रिजर्व बैंक ने मुद्रा बाजार में 12.9 अरब डॉलर की खरीद और 13.29 अरब डॉलर की बिक्री की है। बहरहाल रिजर्व बैंक के आउटस्टैंडिंग फॉरवर्ड बुक में जनवरी में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह एक महीने पहले के 10.97 अरब डॉलर की तुलना में बढ़कर 21.73 अरब डॉलर हो गया है। इस बढ़ोतरी से रिजर्व बैंक द्वारा फॉरवर्ड सेग्मेंट में डॉलर की खरीद का पता चलता है।

जनवरी में डॉलर के मुकाबले रुपया तेजी से मजबूत हुआ और 0.9 प्रतिशत बढ़ा। बहरहाल जनवरी के आखिर में 1 फरवरी को केंद्रीय बजट आने के पहले रुपये में तेज उतार-चढ़ाव आया और उसके बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व का नीतिगत बयान आया। रिजर्व बैंक ने डॉलर की बिक्री के माध्यम से विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया, जिससे विनिमय दर में ज्यादा उतार चढ़ाव न आए।

जनवरी बुलेटिन में रिजर्व बैंक के स्टाफ ने लिखा है, 'फरवरी 2023 तक भारत के पास विश्व का पांचवां सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार था। फरवरी 2023 में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 11.7 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 10 मार्च 2023 को 560.0 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2022-23 के 9 महीने के आयात अनुमान के बराबर था।'

टाटा मोटर्स ने कमर्शियल व्हीकल की कीमतों में किया 5 फीसदी तक का इजाफा

1 अप्रैल से लागू होंगी नई कीमतें

नई दिल्ली। एजेंसी

टाटा मोटर्स ने अपने कस्टमर्स को नए फाइनेंशियल ईयर में तगड़ा झटका दे दिया है। 1 अप्रैल से टाटा मोटर्स के कमर्शियल व्हीकल्स के दाम 5 फीसदी तक बढ़ जाएंगे। टाटा मोटर्स ने मंगलवार को कमर्शियल व्हीकल्स के दाम एक अप्रैल से पांच फीसदी तक बढ़ाने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी अगले महीने से अधिक कड़े बीएस-VI चरण II उत्सर्जन मानदंडों के कार्यान्वयन के मद्देनजर की गई है। कंपनी ने कहा, 'टाटा मोटर्स अप्रैल से अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में 5 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी.'

किन गाड़ियों के दाम में होगा कितना इजाफा

टाटा मोटर्स (Tata Motors) ने एक बयान में कहा कि कंपनी अपने कमर्शियल व्हीकल की पूरी कैटेगरी की कीमतों में इजाफा करने वाली है। हालांकि कीमतों में ये वृद्धि अलग-अलग मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से अलग होगी। टाटा मोटर्स ने कहा कि वह अपने पूरे वाहन पोर्टफोलियो को कड़े उत्सर्जन मानदंडों के अनुरूप अपग्रेड कर रही है, जो 1 अप्रैल से लागू होने वाले हैं।

रियलमी का 64 मेगापिक्सल कैमरा और 33 वॉट चार्जर के साथ रियलमी सी55 का अनावरण

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत में सबसे भरोसेमंद टेक्नॉलॉजी ब्रांड, रियलमी ने सी-सीरीज़ में अपने सबसे नए उत्पाद, रियलमी सी55 का अनावरण किया है। यह 64 मेगापिक्सल के कैमरा और 33 वॉट की चार्जिंग के साथ एंट्री लेवल में नया चैंपियन है। अत्याधुनिक विषेशताओं, स्लीक डिज़ाईन और 'शक्तिशाली प्रदर्षन के साथ रियलमी सी55 उन ग्राहकों को आकर्शित करेगा, जो बेहतरीन स्टाईल और फंक्षनलिटी के साथ शानदार स्मार्टफोन चाहते हैं।

लॉन्च के अवसर पर श्री माधव शेठ, सीईओ, रियलमी इंडिया, वीपी, रियलमी और प्रेसिडेंट, रियलमी इंटरनेशनल बिज़नेस ने कहा, "एक ब्रांड के रूप में रियलमी अपने यूज़र्स को लेटेस्ट टेक्नॉलॉजी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उनकी जीवनशैली के अनुरूप हो। ब्रांड-न्यू स्ट्रेटिज्क अपडेट्स के साथ सी-सीरीज़ स्मार्टफोन की यह नई श्रृंखला लीप-फॉरवर्ड टेक्नॉलॉजी के साथ इस सेगमेंट का नेतृत्व करेगी और चार प्रमुख क्षेत्रों कैमरा, स्टोरेज, चार्जिंग और डिज़ाईन में टेक्नॉलॉजी को विषाल जनसमूह तक पहुँचाएगी। इसी प्रतिबद्धता के साथ हमने रियलमी सी55 पेश किया है। हमारी इस लेटेस्ट पेशकश में बेहतरीन मूल्य में 'शक्तिशानी प्रदर्शन मिलता है। अपने स्लीक डिज़ाईन,शानदार परफॉर्मेंस, और अभूतपूर्व विषेशताओं के साथ रियलमी सी55 उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है, जो अपने स्मार्टफोन से बेहतर प्रदर्सन की उम्मीद करते हैं। रियलमी की नई सी-सीरीज़ में सी का मतलब चैंपियन है। हम स्ट्रेटिज्क अपग्रेड्स के साथ ऐसी डिवाईस लाए हैं, जिससे बेहतरीन परफॉर्मेंस मिलती है, और युवा पीढ़ी का व्यक्तित्व एवं स्टाईल प्रदर्षित होते हैं।

कॉटन की प्रोडक्टिविटी को प्रति एकड़ 30-40% तक बढ़ाने के लिए एचडीपीएस

भोपाल। आईपीटी नेटवर्क

मध्य प्रदेश के कॉटन के किसानों ने हाई डेंसिटी प्लांटिंग सिस्टम(एचडीपीएस) अपनाकर अपनी आय में वृद्धि की है, जिससे प्रति एकड़ उत्पादकता में 30 से 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत की अग्रणी बीज कंपनी, रासी सीड्स द्वारा एचडीपीएस के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया गया। एचडीपीएस भारत की फाइबर सुरक्षा में लचीलापन जोड़ने का वादा करता है, जहां कुल कॉटन प्रोड्यूसिंग एरिया का 37 प्रतिशत से अधिक, 4.16 मिलियन हेक्टेयर, कुल कपास उत्पादन का केवल 22.3 प्रतिशत योगदान देता है। रासी सीड्स के वीपी सुरेश बाबू आर ने कहा, 'एचडीपीएस किसानों की आय बढ़ाने और कस्टमाइज कृषि विज्ञान और आनुवंशिकी के माध्यम से पौधों के विकास को नियंत्रित करने का इरादा रखता है। मध्य प्रदेश के कॉटन उत्पादकों ने नए कॉन्सेप्ट को अपनाने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है।'

एचडीपीएस के तहत प्लांट पापुलेशन डेंसिटी को पारंपरिक तरीकों में प्रति एकड़ 6,000 पौधों की तुलना में प्रति एकड़ 26,000 पौधों के साथ चार गुना तक बढ़ाया जाता है। दीर्घकालीन इस परियोजना के अच्छे परिणाम मिलने लगे हैं। रासी सीड्स ने सबसे पहले एचडीपीएस के लिए एक अनूठी किस्म के हाइब्रिड विकसित करने पर काम किया, जो कि सिंक्रोनाइज्ड और क्लीन बर्स्टिंग की विशेषता है। डिफोलिएंट्स का उपयोग बेहतर बॉल रिटेंशन और मैकेनिकल हार्वेस्टिंग के लिए उपयुक्त कॉम्पैक्ट कद के साथ कचरे को कम रखने के लिए किया जाता है।

मध्य प्रदेश में एचडीपीएस हाइब्रिड (आरसीएच-608) पर मैकेनिकल हार्वेस्टिंग प्रोग्राम का पहला प्रदर्शन शक्तिमान टीम की सहायता से कसरावद तालुका के ब्राह्मणगांव गांव में खरगोन के सीनियर साइंटिस्ट डॉ. वाईके जैन, और केवीके खरगोन के साइंटिस्ट डॉ. आरके सिंह की उपस्थिति में किया गया था। इस कार्यक्रम में मप्र के डीलर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट श्री कमलेश अग्रवाल, भारत कृषक समाज के डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट श्री भूपेंद्र यादव सहित 15 एचडीपीएस किसानों सहित 500 से अधिक किसान उपस्थित थे। आयोजन के दौरान,रासी सीड्स के आरबीएम हेड-मार्केटिंग, श्री अखिल प्रताप सिंह ने कॉटन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एचडीपीएस के महत्व और इसके कार्यान्वयन के लिए आवश्यक प्रमुख चीजों के बारे में बताया। उन्होंने बाधाओं को दूर करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक

सहयोगी अप्रोच के बारे में भी बताया। केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वाईके जैन ने कहा, ' सस्टेनेबल एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन वैल्यू चेन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है क्योंकि इसमें कटाई के बाद, प्रोसेसिंग और मार्केटिंग एक्टिविटी और कार्यों को अधिक कुशल, प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की क्षमता है।' केवीके के वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह ने कहा कि 'रासी जैसी बीज कंपनियों को एचडीपीएस के लिए उपयुक्त बेहतर अनुकूल हायब्रिड विकसित करना होगा। इसी तरह, कृषि उपकरण बनाने वाली कंपनियों को एचडीपीएस के लिए उपयुक्त लागत प्रभावी प्लांटर्स और हार्वेस्टर विकसित करने होंगे। प्लांट प्रोटेक्शन कंपनियों को अच्छे प्रभाव वाले पीजीआर और डिफोलिएंट लाने की जरूरत है।'

वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित मॉर्टीन स्मार्ट + लॉन्च

सबसे तेज लिक्विड वेपोराइजर फॉर्मूला, स्विच ऑफ करने के 2 घंटे बाद तक सुरक्षा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के जाने-माने घरेलू कीटनाशक ब्रांड मॉर्टीन ने तकनीकी रूप से एडवांस अपने नए लिक्विड वेपोराइजर मॉर्टीन स्मार्ट + के लॉन्च की घोषणा की है। गुरुग्राम के एंबियंस मॉल में स्थित पीवीआर सिनेमा में ग्राहकों के साथ एक खास कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने मॉर्टीन स्मार्ट + को लॉन्च किया। भारत का सबसे तेज और सबसे शक्तिशाली फॉर्मूला, मॉर्टीन स्मार्ट + को स्विच ऑफ करने के बाद भी यह 2 घंटे तक मच्छरों से सुरक्षा प्रदान करता है। आज के समय में मच्छर से पैदा होने वाली बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। हमें हर साल डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों के मामलों की संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे सुरक्षा के लिए हमें अब बेहतर मॉस्क्विटो रेपेलेंट जरूरत है। मॉर्टीन हमेशा से ग्राहकों के लिए तकनीकी रूप से एडवांस और प्रभावी सुरक्षा पेश करने में सबसे आगे रहा है। हाल ही में कंपनी द्वारा लॉन्च किए गए मॉर्टीन स्मार्ट + का भारत के गुरुग्राम स्थित मॉर्टीन एडवांस्ड रिसर्च लैब में परीक्षण किया गया है और यह वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित एक बेहतर समाधान साबित हुआ है। यह तेजी से काम करता है और स्विच ऑफ करने के 2 घंटे बाद भी यह बीमारी पैदा करने वाले मच्छरों से बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। लॉन्च के मौके पर बात करते हुए श्री सौरभ जैन, रीजनल मार्केटिंग डायरेक्टर, हाइजीन, रेकिट साउथ एशिया ने कहा, इनोवेशन हमेशा से मॉर्टीन के डीएनए में शामिल रहा है और हम मच्छरों से पैदा होने वाले रोगों से आपके परिवार को सुरक्षित बनाने के लिए हमेशा बेहतर समाधान पेश कर रहे हैं और ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हाल ही में लॉन्च किया गया, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित मॉर्टीन स्मार्ट + एक एडवांस मॉस्क्विटो रेपेलेंट सॉल्यूशन के साथ पहले से बेहतर सुरक्षा प्रदान कर रहा है। इसमें भारत का सबसे तेज फॉर्मूला दिया गया है और स्विच ऑफ करने के 2 घंटे बाद भी इसका असर बना रहता है। इसकी मदद से यह हमारे परिवारों को मच्छरों से लंबे समय तक सुरक्षित रखता है। हम हमेशा से ग्राहकों को अत्याधुनिक वैज्ञानिक तकनीक के साथ विशेषज्ञ सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता रहे हैं। यह नया प्रोडक्ट हमारी इसी कोशिश का प्रमाण है। इसके साथ ही यह नया प्रोडक्ट 2030 तक भारत को मलेरिया मुक्त बनाने के हमारे लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपर्ण कदम भी है।

सोनी इंडिया ने हल्का नॉइज कैंसलिंग ओवरहेड

वायरलेस हेडफोन डब्लू एच-सीएच 720 एन लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सोनी इंडिया ने डब्लूएच-सीएच 720 एन हेडफोन लॉन्च करने की घोषणा की, जिसे श्रोताओं के लिए संगीत का आनंद लेने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिस तरह से कलाकार का इरादा था एक कॉम्पैक्ट फॉर्म फैक्टर में उच्च गुणवत्ता वाले ऑडियो के साथ। ओवर-ईयर डब्लूएच-सीएच 720 एन वायरलेस हेडफोन में नॉइज कैंसलिंग प्रदान करने के लिए डुअल नॉइज सेंसर तकनीक और सोनी का इंटीग्रेटेड प्रोसेसर न्1 चिप शामिल है। इसके अलावा, एक हल्का डिज़ाइन और 50 घंटे तक की बैटरी लाइफ आपको बिना बैकग्राउंड व्यवधानों के लंबे समय तक संगीत का आनंद लेने देती है। इसमें डिजिटल साउंड एनहांसमेंट इंजन भी है, जो उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि का उत्पादन करता है, जैसा कि कलाकार करना चाहता था और साथ ही उपकरणों के बीच आसान कनेक्टिविटी के लिए मल्टीपॉइंट कनेक्शन भी है।

डब्लूएच-सीएच 720 एन के साथ आपको कभी भी अपने पसंदीदा संगीत से ब्रेक लेने की आवश्यकता नहीं होगी। ओवर-ईयर हेडफोन को एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन किया गया है ताकि वे और भी अधिक समय तक आराम से रह सकें। इंटीग्रेटेड प्रोसेसर न्1 चिप और डुअल नॉइज सेंसर तकनीक की बदौलत, ओवर-ईयर डब्लूएच-सीएच 720 एन हेडफोन सोनी का एडवांस्ड नॉइज कैंसलिंग परफॉर्मेंस प्रदान करते हैं, ताकि आप बैकग्राउंड के कम शोर के साथ अधिक संगीत का आनंद ले सकें। डब्लूएच-सीएच 720 एन डिजिटल साउंड एन्हांसमेंट इंजन पर प्राकृतिक स्वर, क्रिस्टल क्लियर साउंड और संतुलित ट्यूनिंग का आनंद लें, जो कि उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि का उत्पादन करता है, जैसा कि कलाकार चाहता था। डब्लूएच-सीएच 720 एन पर बेहतर तकनीकी सुविधाओं का मतलब है कि आप कॉल की और भी बेहतर गुणवत्ता का आनंद ले सकते हैं। आपकी आवाज को कई तरह के वातावरण में अधिक स्पष्ट और सटीक रूप से लेने के लिए बीमफॉर्मिंग माइक्रोफोन को सटीक वॉयस पिकअप तकनीक के साथ स्मार्ट तरीके से स्थित किया गया है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।